

# ज़ेला, जैक और ज़ोडिएक

बिल पीट

ZELLA  
ZACK and ZODIAC

Bill Peet



## नव जनवाचन आंदोलन

इस किताब का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने 'सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट' के सहयोग से किया है। इस आंदोलन का मकसद आम जनता में पठन-पाठन संस्कृति विकसित करना है।

*Publication and Distribution*

**Bharat Gyan Vigyan Samiti**

Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block, Saket, New Delhi - 110017

Phone : 011 - 26569943, Fax : 91 - 011 - 26569773

Email : bgvs\_delhi@yahoo.co.in, bgvsdelhi@gmail.com

BGVS NOV 2007 2K 2500 NJVA 0112/2007

जेला, जैक और ज़ोडिएक **ZELLA, ZACK and ZODIAC**  
बिल पीट *Bill Peet*

हिंदी अनुवाद *Hindi Translation*  
अंशुमाला गुप्ता Anshumala Gupta

कॉपी संपादक *Copy Editor*  
राधेश्याम मंगोलपुरी Radheshyam Mangolpuri

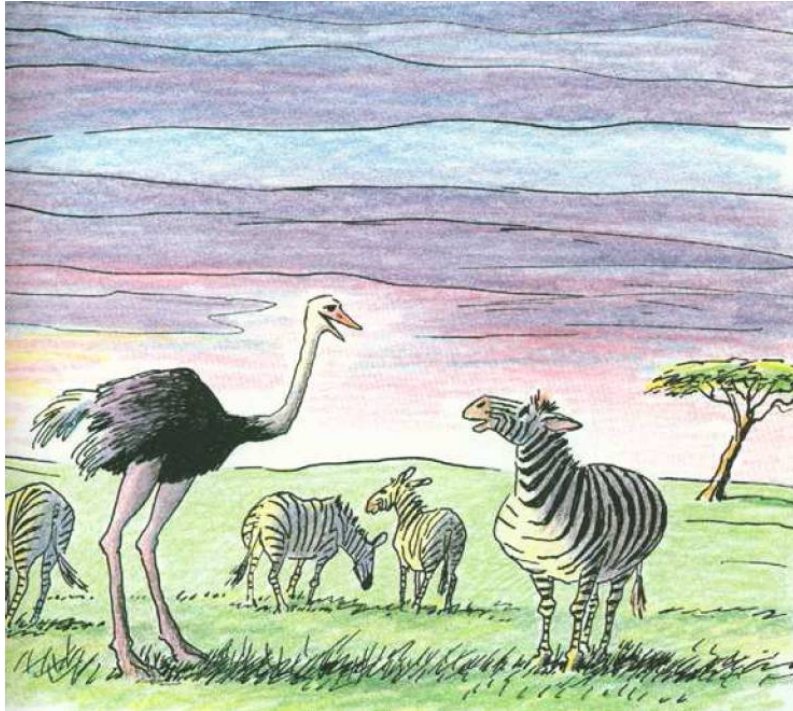
ग्राफिक्स *Graphics*  
अभय कुमार झा Abhay Kumar Jha

कवर *Cover*  
गॉडफ्रे दास Godfrey Das

प्रथम संस्करण *First Edition*  
नवंबर 2007 November 2007

सहयोग राशि *Contributory Price*  
25 रुपये Rs. 25.00

मुद्रण *Printing*  
सन शाइन ऑफसेट Sun Shine Offset  
नई दिल्ली - 110 018 New Delhi - 110 018



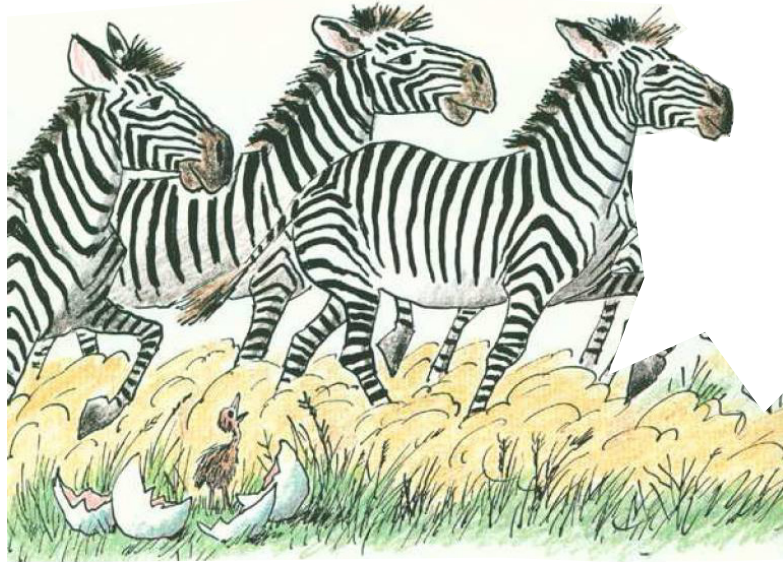
ज़ेला, जैक  
और ज़ोडिएक

**ZELLA, ZACK  
and ZODIAC**



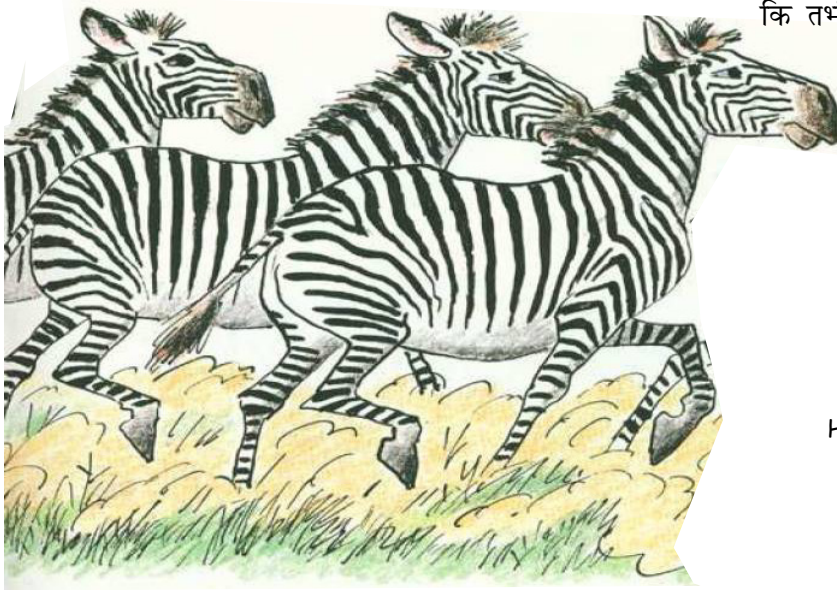
फूटी किस्मत कि शत्रुमुर्ग चूजा छोटा  
था ऐसे अंडे में छिलका जिसका मोटा।  
चोंच मार जब निकला, कड़ी धूप थी बाहर।  
चले गए थे सब, कोई आता न था नजर।  
उसकी मां, दूर शेर की दहाड़ से डरकर  
बाकी दोनों चूजों को ले, पिछली रात चली गई थी भागकर।  
“क्या होगा मेरा?” परेशान बैठा था चूजा।  
तभी हुई धड़धड़ाहट, ज्युं बादल गरजा।

It was simply rotten luck that the little ostrich chick  
Was born inside an eggshell that was just a bit too thick.  
By the time he pecked his way out into broad daylight,  
Everyone had gone. There was not a single soul in sight.  
His mother had been frightened by a distant lion's roar  
And departed with two other chicks just the night before.  
“Whatever is to become of me?” the chick began to wonder,  
When all at once there came a rumble, sounding just like thunder.



गड़गड़ाते खुरों संग, इक विशाल जेबरा दल निकला।  
हजार टापों से कुछ दूर ही था, पड़ा चूजा अकेला।  
“मदद, मदद, बचाओ, ओ कोई!” बेचारा नन्हा चीखा।

It was the thundering hoof beats of  
an enormous zebra herd  
That came galloping past by the thousands,  
a few yards from the bird.  
“Help! Help! Help! Somebody!”  
the poor chick frantically cried.



“कोई बचाओ, मदद करो। क्या कोई मुझे सवारी देगा?”  
अनदेखा कर उसे, भागम-भाग रही जारी।  
कि तभी छोटी जेबरा जेला को आ गई दया भारी।

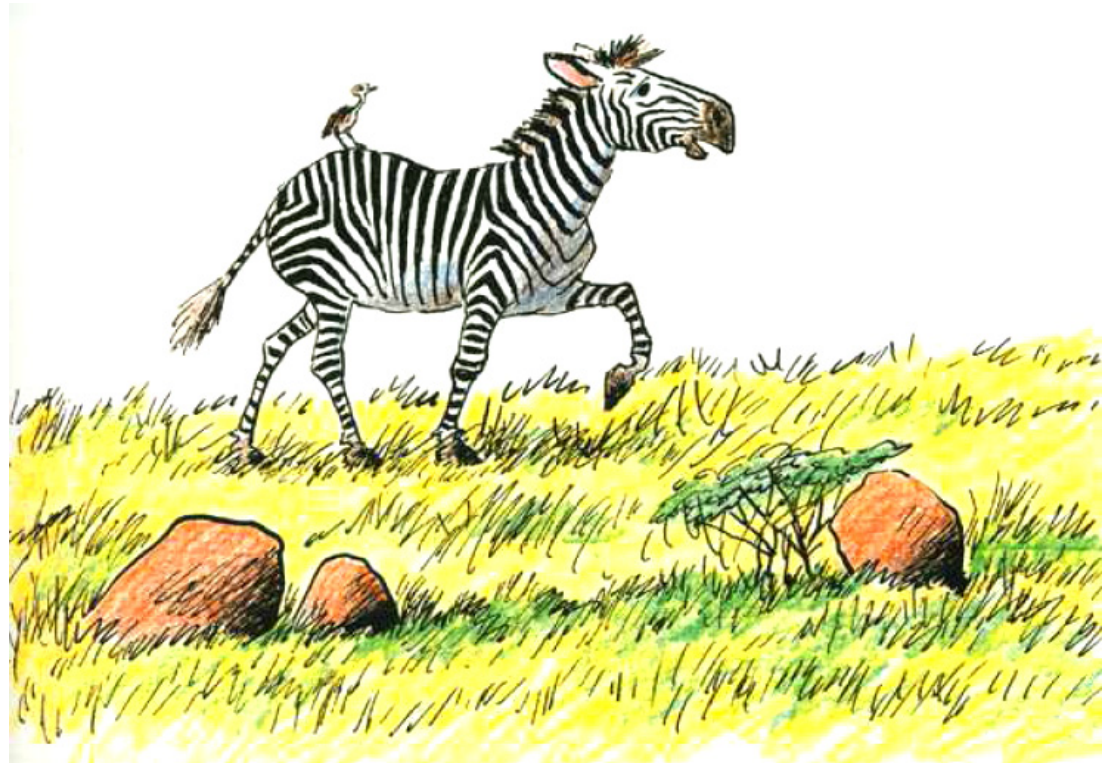
"Please somebody!  
Help me! Won't somebody give me a ride?"  
But all of the zebras ignored him  
and kept on galloping past,  
Until a young zebra named Zella  
took pity on him at last.





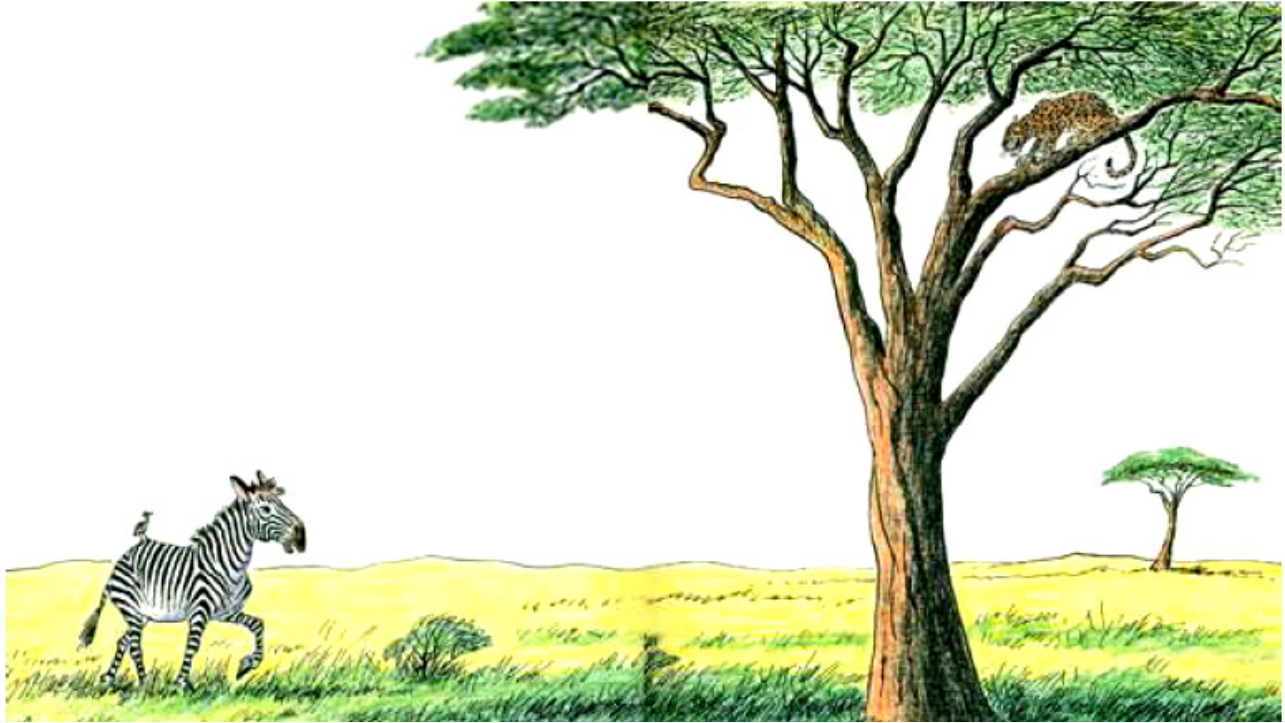
“अरे नन्हें से बच्चे!” जेला बोली, “तुम्हारी मां है कहाँ?  
अकेले क्या करते हो, अपने-आप इस तरह यहाँ?”  
“हूँ मैं बिल्कुल नया नवेला,” चूजा यूँ बोला, “लगेगा पता मुझे क्या भला?  
अभी-अभी अंडे से, कुल आधे घंटे पहले ही मैं निकला।”

*“You poor little thing!” exclaimed Zella. “Don’t you have a mother, my dear?  
What on earth are you doing all by yourself out here?”  
“I’m brand new” replied the chick, “so how am I to know?  
I just hatched out of my egg about half an hour ago.”*



“इस तीखी धूप में,” जेबरा ने चेताया, “तुम्हारी बचने की उम्मीद कहां?  
एक या दो घंटे में, तुम जिंदा भुन जाओगे यहां।  
आओ मेरे सिर पर चढ़ो, शूतुर चूजे, फिर पीठ पर,” बोली जेला।  
“हम ढूंढेंगे कोई बबूल का पेड़, जो हो छाते-सा बड़ा फैला।”

“In this hot sun,” warned the zebra, “you’ve got no chance at all to survive.  
In another hour or two you’ll surely be roasted alive.  
So hop on my head, ostrich chick, then onto my back,” said Zella.  
“We’ll go find you an acacia tree, they’re like a big umbrella.”



“बहुत प्यारी छांह है यहां,” जेला बोली, जब पहुंचे पास वे पेड़ के।  
“मिलेंगे लाखों कीड़े खाने को, खुशी से रहो दोस्त, खूब मजे से।  
पर ठहरो! खतरे की गंध!” बड़बड़ाई वह सूंघती हवा।

“There’s not only lovely shade,” said Zella, as they approached the tree,  
“You’ll find zillions of bugs to eat and live happily as can be.  
But hold it! I smell danger!” she muttered, warily sniffing the air.  
“It’s a big cat! A leopard! He’s crouched on a tree limb up there!”



“बिलाव कुटुंब! तेंदुआ! पेड़ की टहनी पर छिपा, बैठा हुआ।”  
फिर, पलक झपकते, इससे पहले कि तेंदुआ हमला कर पाए,  
वह दौड़ पड़ी ताबड़तोड़, चूजा पीठ पर कस के चिपकाए।  
पहुंच सुरक्षा में, जेबरा ने ली सांस, आया चैन।  
बोली, “उस तेंदुए के डर ने ले ही ली मेरी जान।”  
“मैं समझा नहीं, क्यों?” चूजे ने पूछा, “वह तो था केवल तुमसे आधा।  
सुंदर धब्बों, बड़ी-बड़ी पीली चमकती आंखों वाला।”

Then in a twitch of a whisker, before the cat could attack,  
Zella took off at a gallop with the chick clinging tight to her back.  
Once they were safely in the clear and the zebra caught her breath,  
She heaved a heavy sigh and said, "That cat nearly scared me to death!"  
"I don't see why" the ostrich said, "he wasn't half your size.  
I liked his beautiful spots and his big, bright yellow eyes."





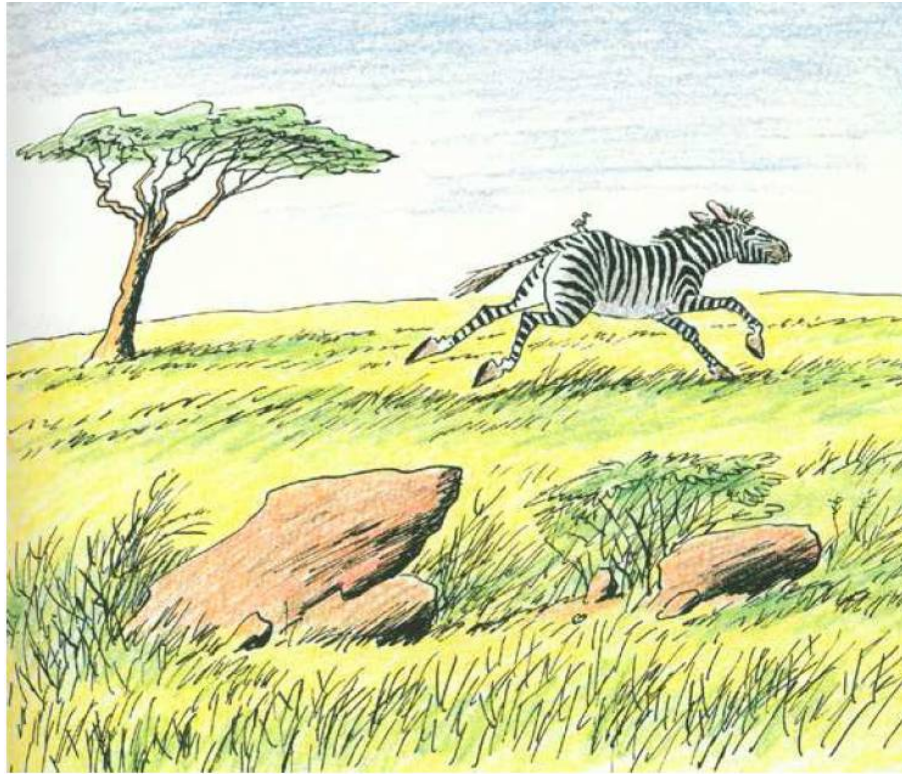
“ऐ चूजे, जरा सुन,” बोली जेला चिढ़कर और तुनककर।  
“इतने निडर, अनजान हो तो जाकर आओ सीखकर।  
पटक दूँ जमीन पर तुम्हें तो बचोगे एक पल भी नहीं।  
खूब सारे खतरनाक जीव घूम रहे हैं यहां हर कहीं।  
शेर, लकड़बग्घे और खुदा के वास्ते,  
गीदड़ों के झुंड, बड़े रेंगते सांप सरसराते।”

"Now look here, chick," snorted Zella, becoming grumpy and stern,  
"If you're so all-fired fearless then you've got a lot to learn.  
You wouldn't last a minute if I dumped you on the ground.  
There're too many dangerous beasts prowling all around.  
There are lions and hyenas and then, for heaven sakes,  
Roving packs of jackals and big, creeping, crawling snakes."



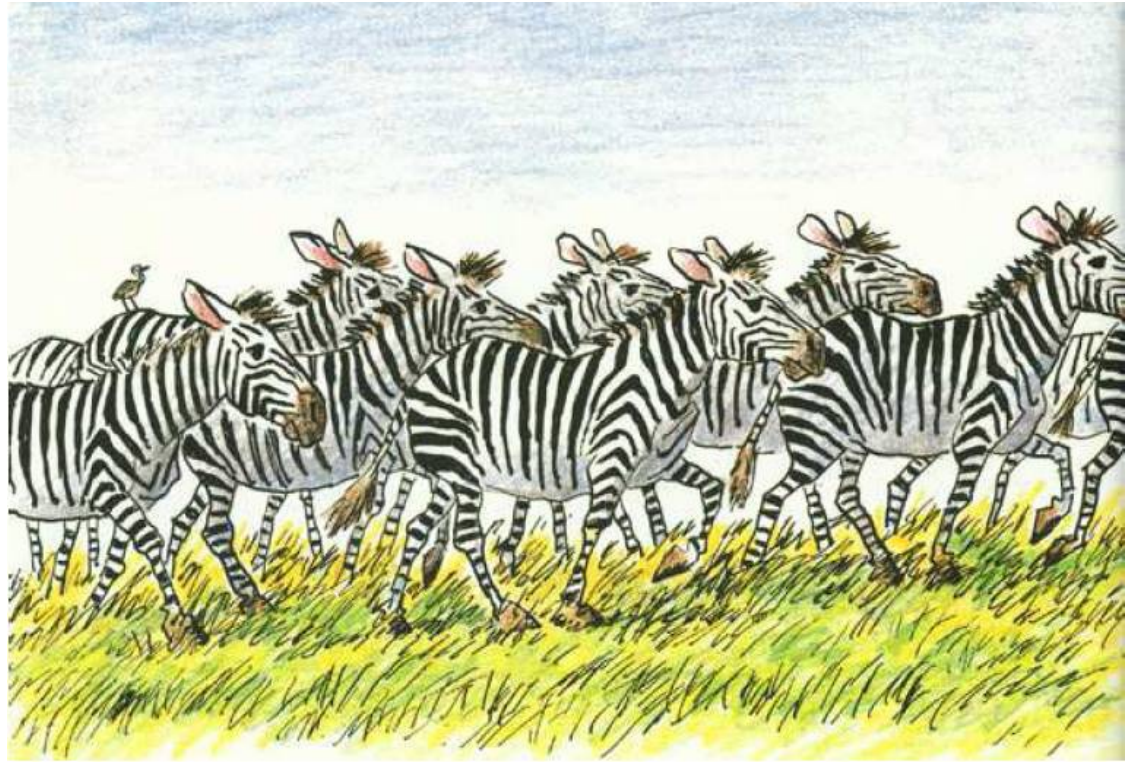
“जब हो तुम मेरे जिम्मे,” सांस भरकर बोली जेला, “मैं धाय मां तुम्हारी,  
तुम्हें कोई नाम देने की है अब मेरी जिम्मेवारी।  
मैंने छांटा ‘जैकारी’ एक जेबरा नाम पुराना  
पर कहूंगी सिर्फ जैक, जब पड़ेगा तुम्हें बुलाना।”

"If I'm stuck with you," sighed Zella, "as your foster mother, I  
suppose that you should have a name of some kind or another.  
Zachary is an old zebra name, I just now picked it out.  
But I'd better call you just plain Zack in case I have to shout."



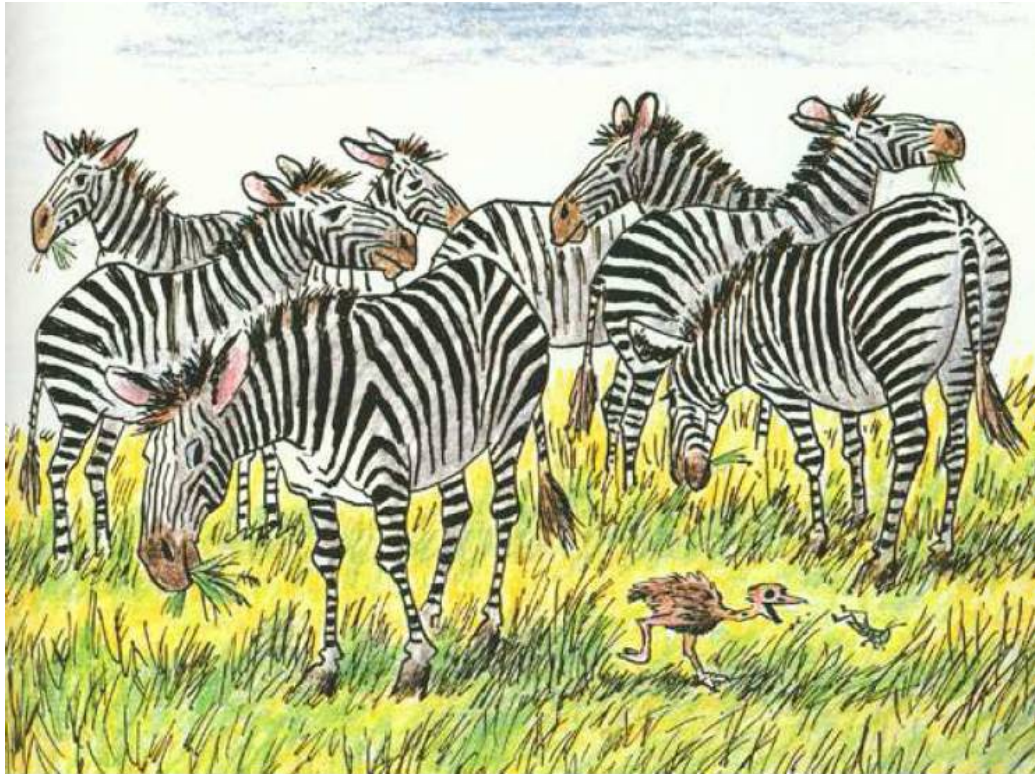
“जो भी हो तुम्हें पसंद,” शतुर चूजे ने दिया उत्तर,  
“जैक भी है बढ़िया, मुझे तुम करने दो सवारी अगर।”  
“तो फिर जैक ही होगा,” बोली जेला, “और अब मेरे निडर चूजे  
कस के पकड़ो, ताकि मैं दौड़ूं तेज, जा मिलूं झुंड से।”

"Call me what you like," the ostrich chick replied.  
"Zack is fine with me just as long as you'll let me ride."  
"Then Zack it is!" cried Zella. "And now, my fearless bird,  
Hang on tight while I turn on the speed to catch up with the herd."



केवल भोजन के वक्त ही जैक छोड़ा जाता भूमि पर  
तब वह छोटा चूजा झाड़ियों में घूमता, दौड़-दौड़कर  
गटकता हुआ घोंघे, छिपकली और जो भी शत्रुमुर्ग खाते  
लेकिन कभी भी जेबरा मां के पैरों से नहीं दूर जाते।

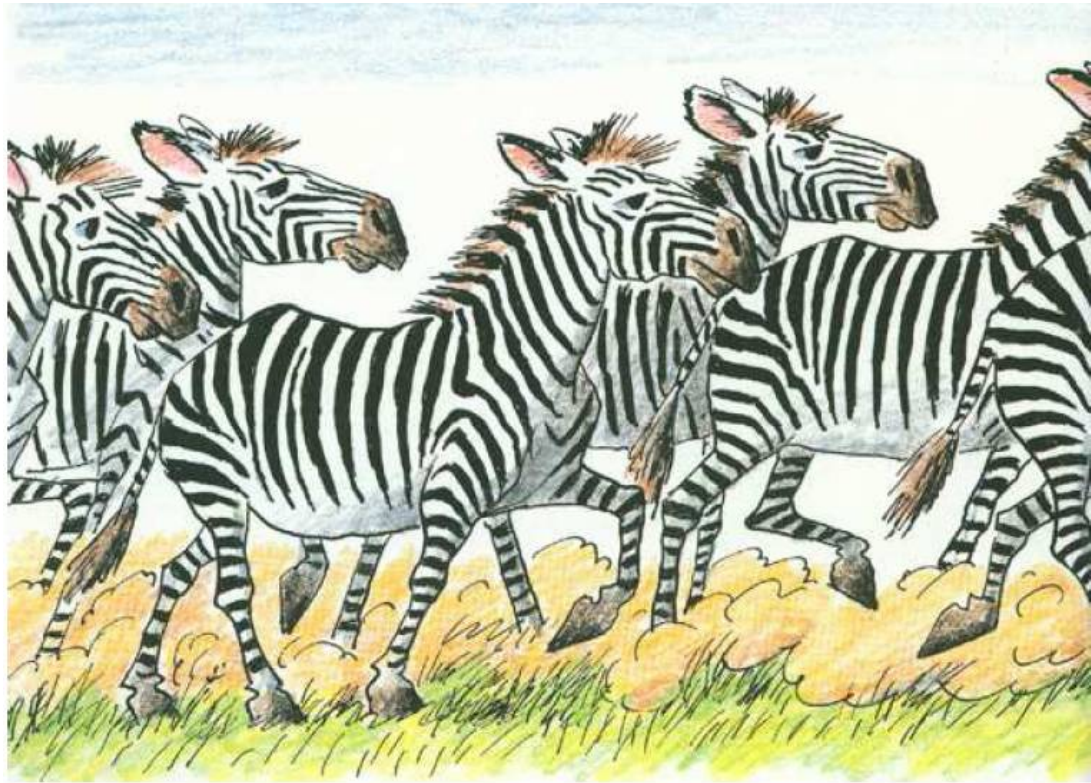
The only time Zack was left on the ground was when it came time to feed.  
Then the young ostrich raced through the weeds, darting about at top speed,  
Snapping up snails and lizards and things ostriches like to eat,  
But never straying very far from his zebra mother's feet.





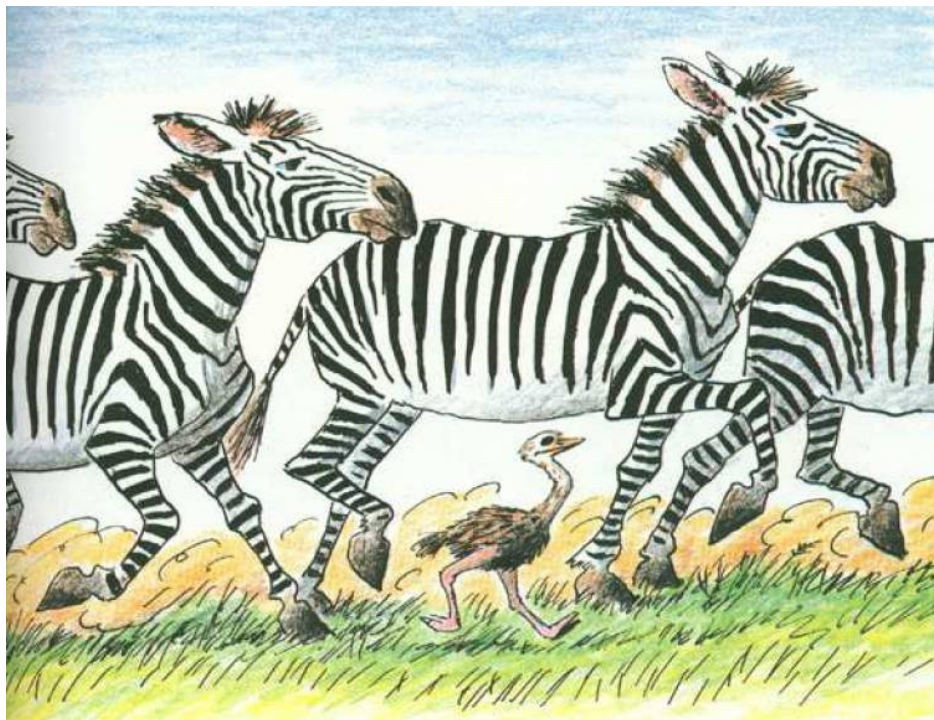
“तय कर लिया मैंने”, बोला एक दिन जैक, “अब जमीन पर ही रहूंगा।  
लगता भोंदू हमेशा पीठ पर चढ़ मैं, इतना बड़ा।”  
“जो पसंद हो, कर सकते हो हमेशा,” बोली जेला, “शौक है तो घूमो अकेले  
पर लगोगे और भी भोंदू, अगर मिट्टी में जाओगे कुचलो।”

"I've made up my mind," said Zack one day, "I'm going to stay on the ground.  
I feel very silly at my age to be always carried around."  
"You can do just as you like" snorted Zella. "Go out on your own, if you must.  
But I'm afraid you'll feel even sillier if you get trampled into the dust."



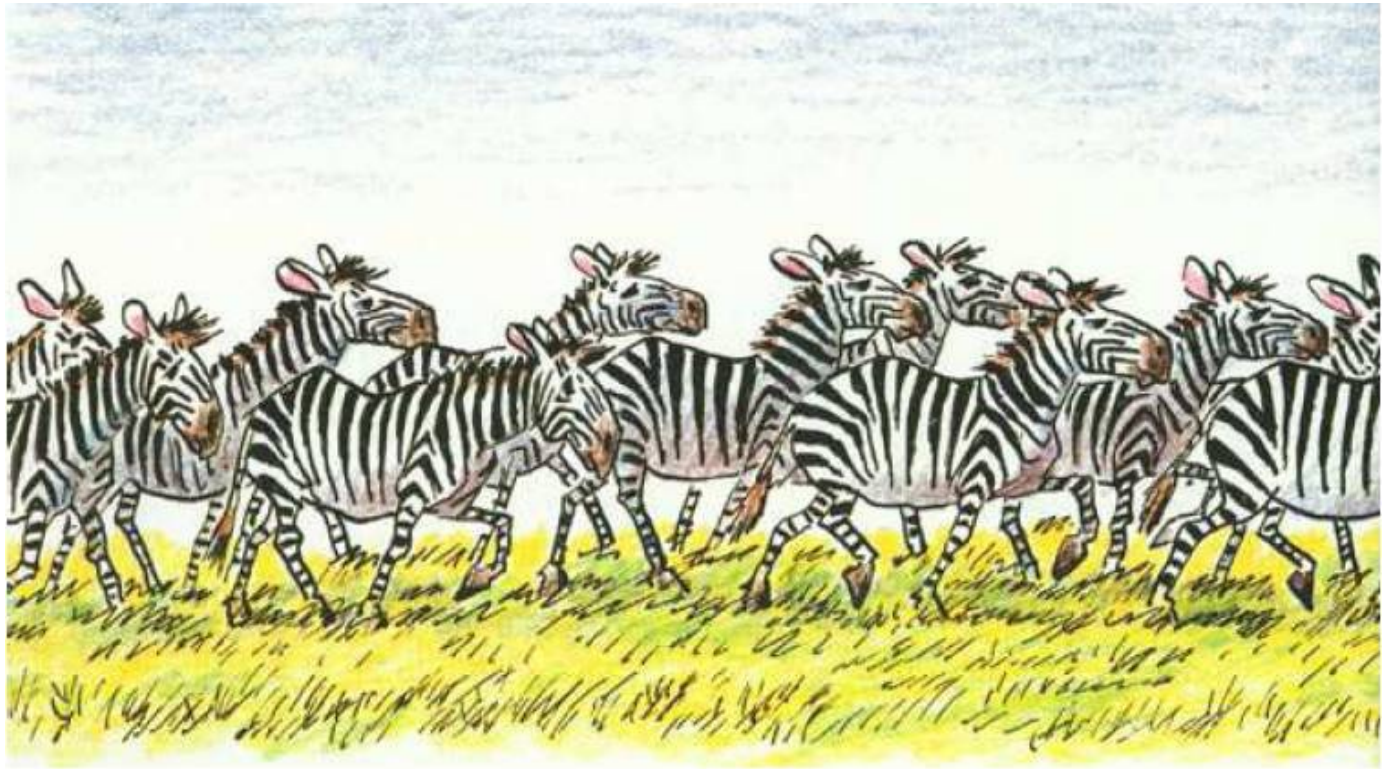
“तो मैं तुम्हें बाद में मिलूंगा,” जैक जोर से दौड़ लगाकर बोला।  
जिद्दी चला अपने रास्ते, चाहे पसंद करे, न करे, जेला।  
उसके बाद जेला को भी कभी-कभार ही दिखा, अपनाया हुआ शतुरमुर्ग बेटा।  
वह झुंड में हमेशा ही दौड़ लगाता, यहां-वहां आता-जाता।

"So I'll see you later!" Zack called out as he took off at a fast trot.  
The foolhardy chick was going his way whether Zella liked it or not.  
After that the zebra seldom saw her adopted ostrich son.  
He was always racing about in the herd, always on the run.



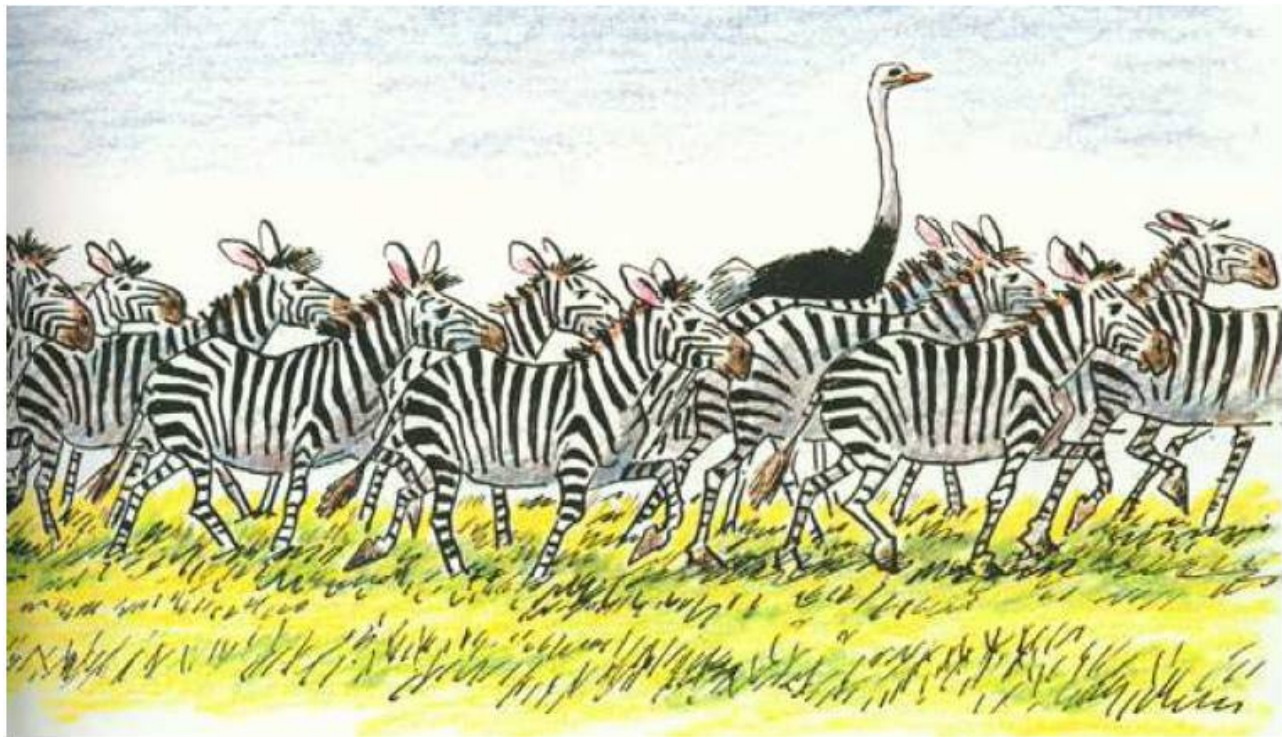
और हर बार दिखती जैक की झलक, घोर अचरज भर जाता  
कुछ ही दिनों में वह दुगुने आकार का होता नजर आता।  
उसका छोटा चूजा, बढ़ रहा, दिन दूना रात चौगुना,  
लम्बा और लम्बा, सौ किलो से ऊपर वजन लिया बना।

And each time she caught a glimpse of Zack it was a big surprise.  
It seemed to her that every few days he had almost doubled in size.  
Her little chick was getting big and growing by leaps and bounds.  
He was growing taller and taller and put on two hundred pounds.



और जब जैक बढ़ चुका पूरा, हो गया नौ फुट लम्बा।  
झुंड के सिरों के ऊपर देखे नजारा, जैसे ऊंचा खम्बा।  
और वह जेला के पास से कई बार बिना सलाम के गुजरा।  
सोचा जेला ने, “देख नहीं पाया होगा, झुंड के बीच नीचे जरा।”

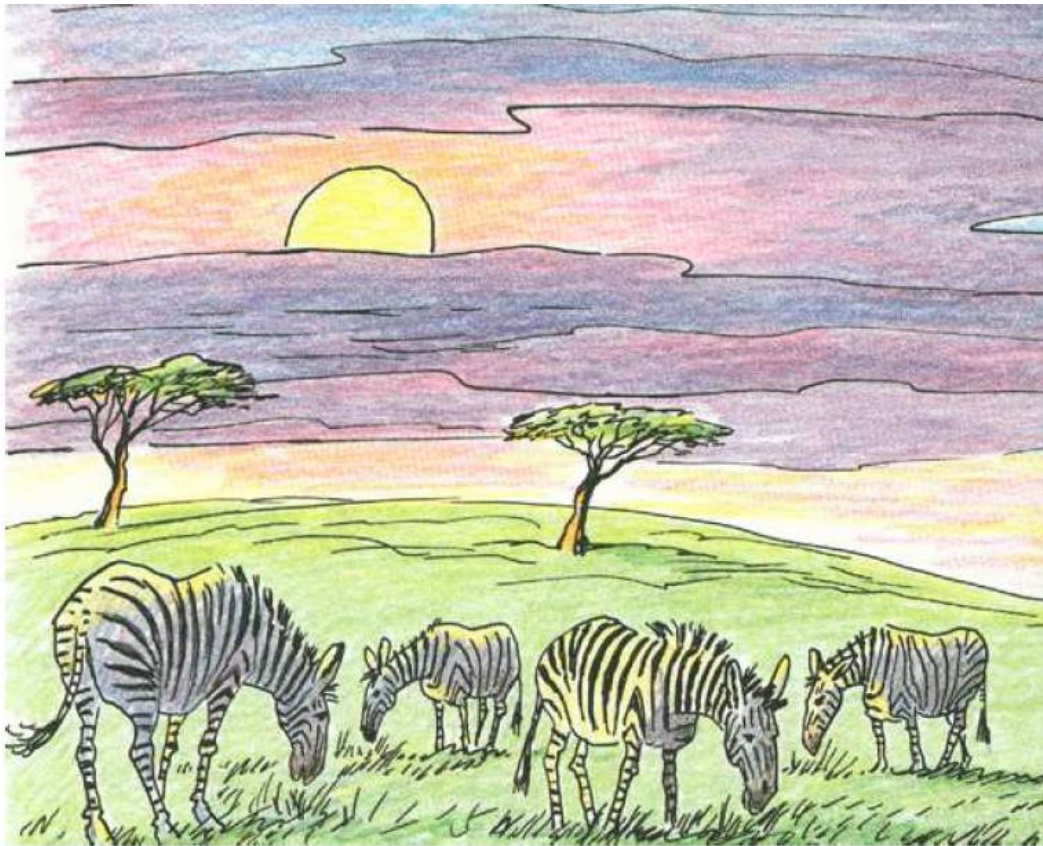
*And when Zack was nearly nine feet tall and all his growing was through,  
He towered above the heads of the herd with a lofty bird's-eye view.  
And he often trotted right past Zella without even saying hello,  
But she supposed he couldn't see her since she was so far down below.*





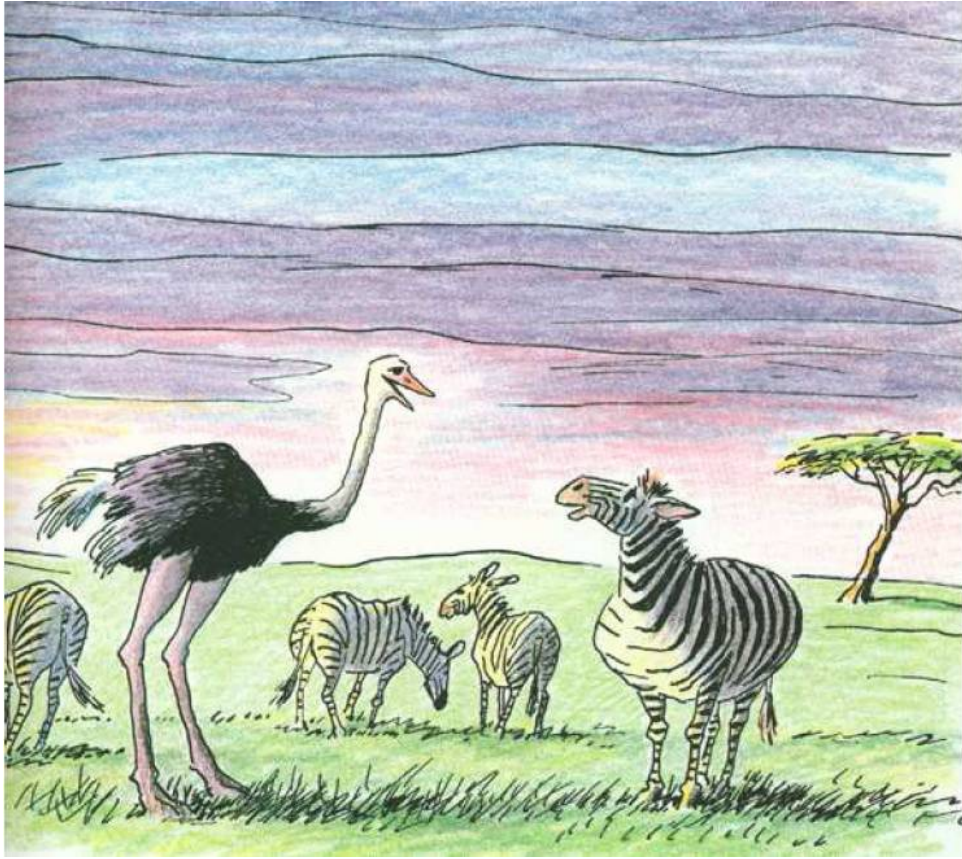
“या क्या पता,” सोचती वह, “जैक को न हो याद खास,  
कुछ साल पहले सितम्बर का वह गर्म दिन उदास,  
जब वह दयनीय चूजा दुख में रोता था असहाय,  
दुनिया में पड़ा अकेला, मां बिन, कौन उसे उठाय?”

"Or is it possible," she wondered, "that Zack can't even remember  
The horribly hot and miserable day a few years ago in September,  
When he was a pitifully helpless chick crying out in despair,  
Left all alone in the world, and without a mother to care?"



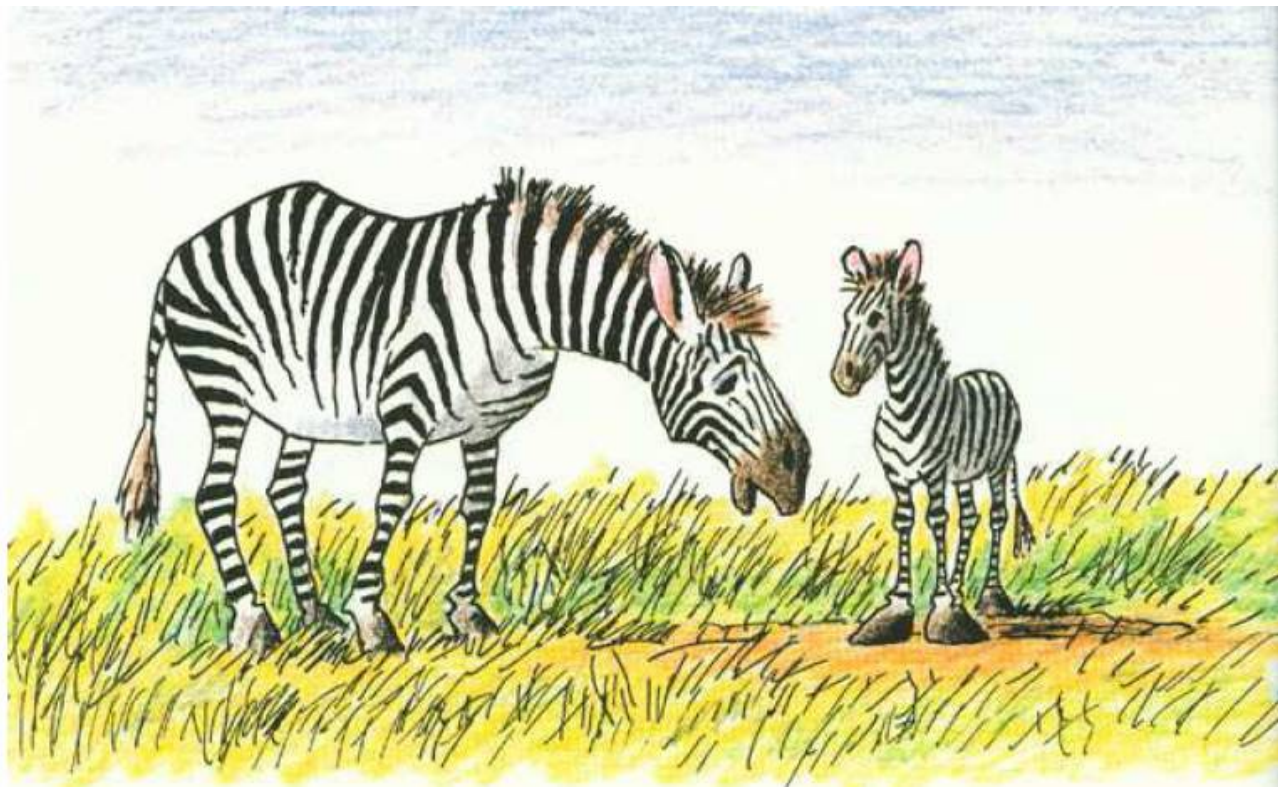
एक दिन झुंड चर रहा घाटी में, सांझ लगी ढलने।  
सूरज गुलाबी-जामुनी, धुंध के पीछे लगा छिपने।  
जैक आया जेला के पास, पूछा, “क्या हाल है तुम्हारा?  
सब कुशल-मंगल है, और कुछ नया भी घट रहा?”

Late one afternoon as the herd stopped in a valley to graze,  
And the sun had slipped away behind a pinkish-purple haze,  
Zack came up to Zella to ask, “How are things going with you?  
Are you getting along O.K. these days, and is there anything new?”



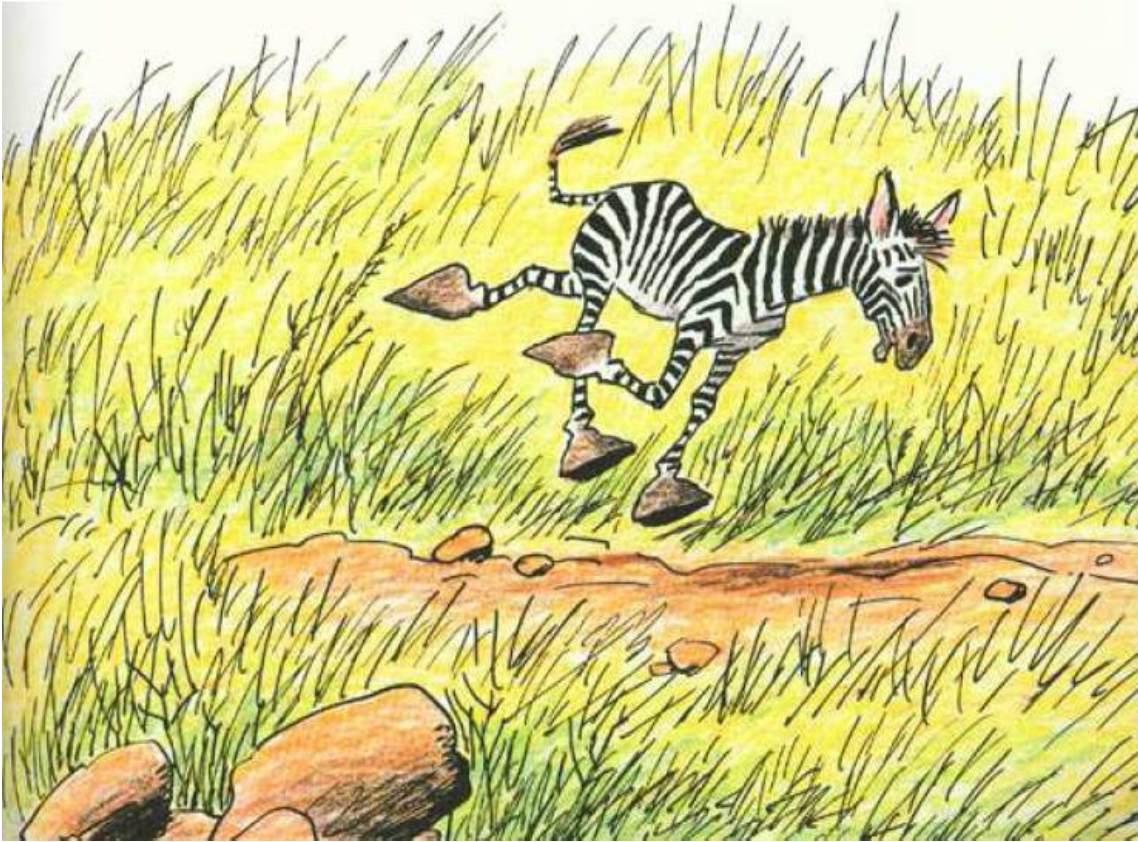
“शायद तुम्हें नजर आ रहा हो,” बोली जेला, “मुझे होने को है बच्चा जल्दी।  
इसलिए जेबरा-धारी पड़े गुब्बारे-सी दिखती हूँ मैं फूली।  
अगर होगी बच्ची तो रखूंगी नाम मैं जामन्था,  
और अगर होगा बच्चा तो जोडिएक नाम लगता भला।”

*"You may have guessed," said Zella, "I'm expecting pretty soon.  
That is why I resemble a big zebra-striped balloon.  
I'll name the new one Zamantha if it should be a she,  
Or he'll be called Zodiac if the colt should be a he."*



जेला का नया बच्चा, कुछ यूं हुआ, था अटपटा लंबी टांगों वाला।  
नथुने से पूंछ तक तो लगता पूरी तरह चंगा भला।  
लेकिन नजर पैरों पर, डाल जेला हो जाती परेशान।  
नन्हें जोड़िएक के खुर थे भारी-भरकम, दानव समान।

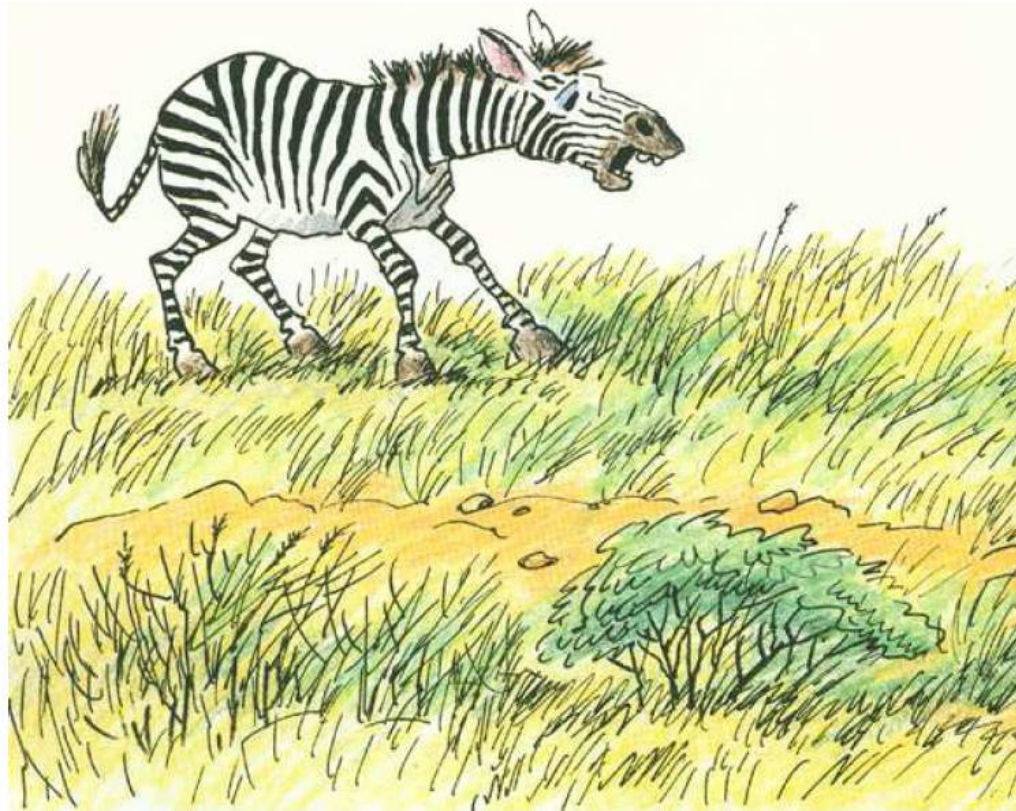
*Zella's new zebra, as it turned out, was a gawky, long-legged male,  
Who seemed to be about perfect from the tip of his nose to his tail.  
But one look at Zodiac's feet and Zella was suddenly frantic.  
All four of the little colt's hoofs were nothing less than gigantic!*





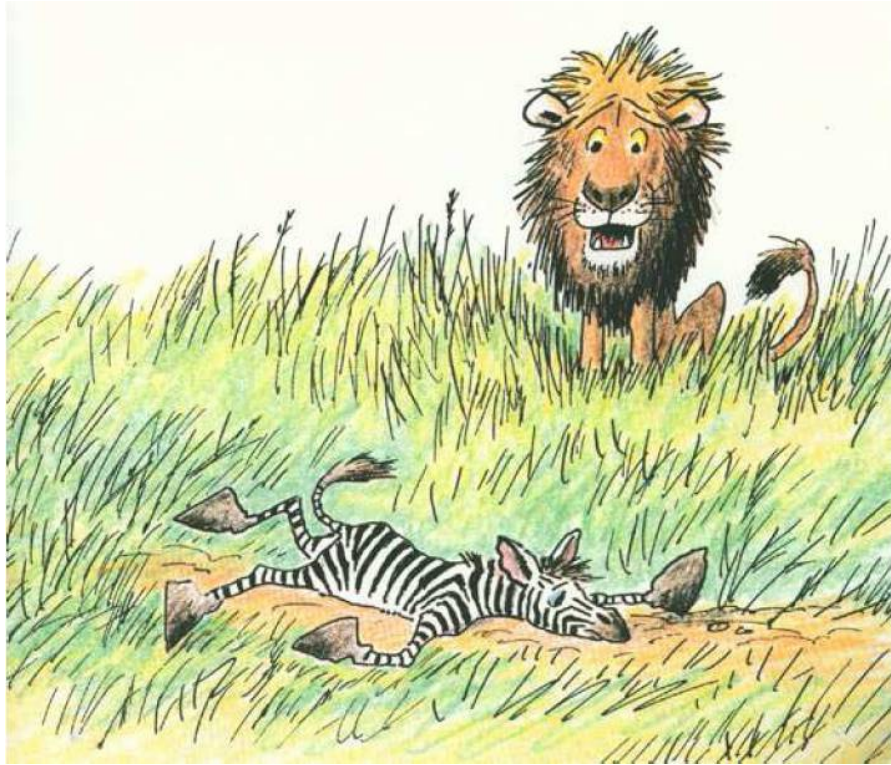
नया छौना लड़खड़ाता, कठिनाई से चलने की कोशिश करता।  
डगमगाता, मुश्किल से दो-चार कदम ही धर पाता।  
गिरा धड़ाम से जोड़िएक बड़े खुर, सिर-पैर समेत  
जमीन पर, फैला ढेर में, चारों खाने चित्त।

The new colt tottered about in an awkward attempt to trot,  
But just a few staggering steps was as far as he ever got.  
Then down went poor Zodiac, gigantic hoofs and all,  
To end up on the ground in one clumsy headlong sprawl.



अचानक जैसे ही उठने की कोशिश में वह डगमगाया।  
दिल हुआ धक्, नजदीक ही घास में जेला को इक शेर नजर आया।  
'वाह इसे कहते हैं किस्मत!' बिखरी अयाल वाला शेर मुस्कराया।  
'सामने जो जेबरा बालक, क्या भोजन भाग्य ने यूं दिलाया।'  
डर से कांपती जेला ने पहले सोचा— दौड़ शेर को दुलत्ती लगाए  
पर घबराहट में ठहरी टांगें, कांपें पैर और डगमगाए

Then as he struggled to regain his feet, to Zella's great dismay,  
A lion rose up from the grass a very short distance away.  
"Now this is what I call luck!" exclaimed the shaggy-maned beast,  
"To happen upon a young zebra! What a fanciful feast!"  
Panicky Zella's first thought was to cut loose and kick the big cat,  
But she found she couldn't budge — she was too weak in the knees to do that.

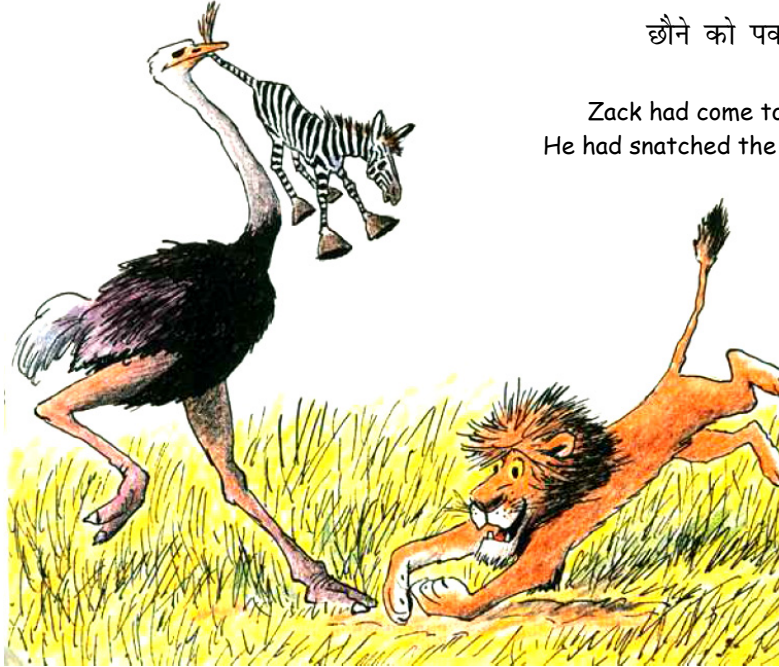


कुछ न कर सकी वह, चिल्लाई, “जोडिएक! जोडिएक।  
देखो! देखो! हमला करने वाला बड़ा-सा शेर एक।”  
जैसे ही कूदा शेर, शिकार दबोचने को झपटकर।  
अचानक हश! कर जोडिएक गायब, हवा में उड़कर।

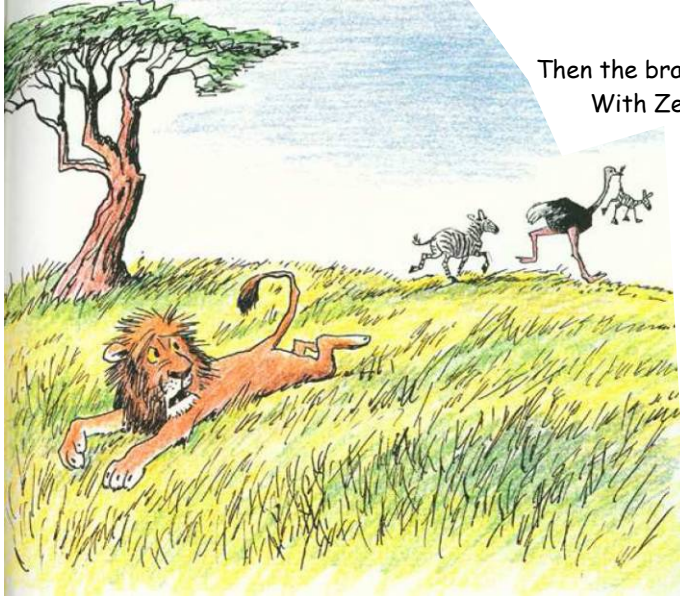
All she could do was shout "Zodiac! Zodiac! Zodiac!  
Watch out! There's a big lion! Watch out! He's about to attack!!"  
Then as the lion leaped from the grass to pounce upon his prey,  
All at once Zodiac took off and WHOOSH! went flying away.

इक पल भी नहीं था जब, जैक अचानक बचाने आ टपका।  
छौने को पकड़ पूंछ से, झट हवा में लिया ऊंचे लटका।

Zack had come to the rescue without a split second to spare.  
He had snatched the colt by the tail, then jerked him high in the air.



फिर हिम्मती, निडर शत्रुमुर्ग भाग लिया बिजली की चाल।  
पीछे जेला तेजी से, वह चला चोंच में जोड़िएक को संभाल।



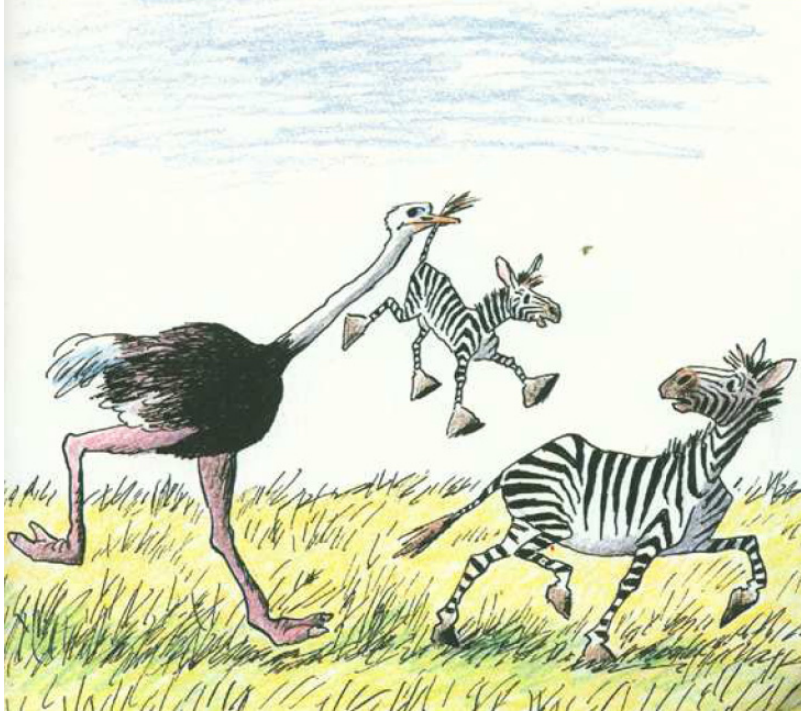
Then the brave and fearless ostrich took off and ran like a streak,  
With Zella close on his heels and Zodiac's tail in his beak.

छौने को इस तरह संकट से छुड़ाकर, शुतुरमुर्ग ने ठान ली धुन पक्की।  
जहां भी जाएं जेला और बच्चा, रहेगा वह पीछे साथ उनके ही।



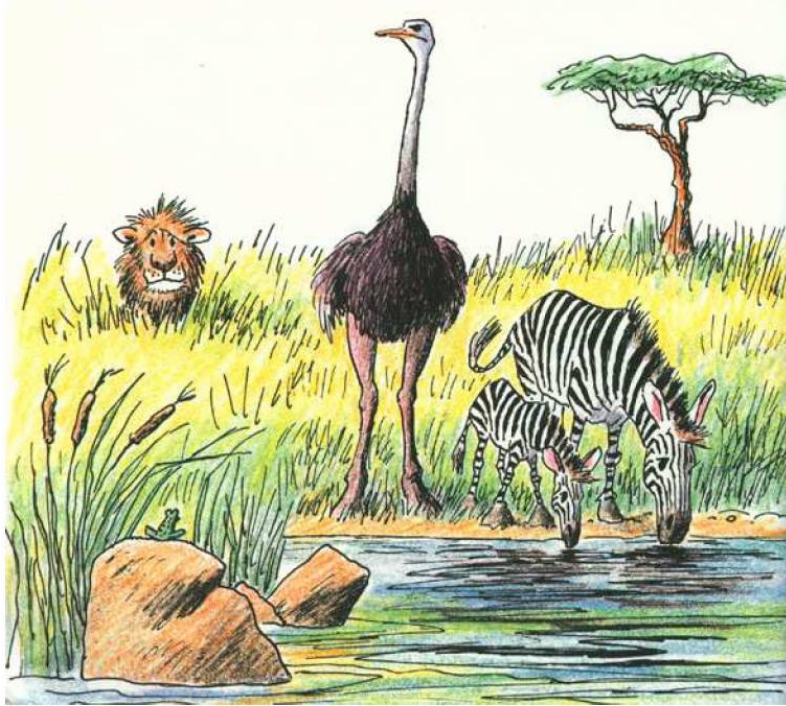
After the colt's close call with disaster, the ostrich made up his mind,  
Wherever Zella and Zodiac went he'd always be close behind.





अपनी दूरदर्शी शत्रुमुर्ग आंखों से वह  
इतना पहरा लगाता।  
इससे कोई शेर, लकड़बग्घा उनपर  
अचानक झपट न पाता।

And Zack was ever so watchful, with  
his far-sighted ostrich eyes,  
To make sure no lion or hyena could  
catch them by surprise.



50

नन्हें जोडिएक को बचाना, पहरा  
देना लगातार, था कठिन काम।  
रहती घबराई जेबरा मां, हमेशा ही  
हैरान-परेशान।

Saving little Zodiac was one  
close call after another,  
And a constant worry for his  
poor, jittery zebra mother.



अगर नजदीक है शेर और पूछ न पकड़ में आए  
जैक पकड़े उसे पैर से, या भागे, कान से ही मुंह में उठाए ।  
“कैसे चुकाऊं अहसान तुम्हारा?” इस दिन भीगे मन से पूछ बैठी जेला।  
“कैसे धन्यवाद करूं? क्या तुमसे कहूं भला?”

If the colt's tail wasn't quite handy when a lion ventured too near,  
Zack snatched him up by a hind leg or carried him off by an ear.  
“How can I ever repay you?” grateful Zella asked one day.  
“How can I ever thank you enough? What can I ever say?”



बड़ा शत्रुमुर्ग शैतानी से मुस्कराया, “तुम्हें जरूर ही याद होगा  
एक समय मैं था तुम्हारे लिए समस्या, मुसीबत-सा छोटा बच्चा।  
जिन्दा न रहता एक दिन भी, अगर तुमने न था बचाया।  
नन्हें जोड़िएक की रक्षा, कम से कम है जो मैं कर सकूंगा  
जब तक यह चोंच है पास में, हमेशा उसे बचाता रहूंगा  
तब तक, जब बड़ा हो, अपने पैरों  
बिजली की तरह वह खुद दौड़ने लगेगा।।”

"Surely you must remember," the big ostrich winked and smiled,  
"Once upon a time I was your troublesome problem child.  
I wouldn't have lasted one day if it hadn't been for you.  
Saving little Zodiac is the least that I can do.  
And I'll keep on looking after him as long as I have a beak,  
Until he grows up to fit his feet and can gallop like a streak."